01

श्रीफल जैन न्यूज

श्रीफल जैन न्यूज की प्रस्तुति

अंतर्मुखी मुनि पूज्य सागर महाराज की कलम से

श्रीफल जिन पाठशाला -6

जानिए

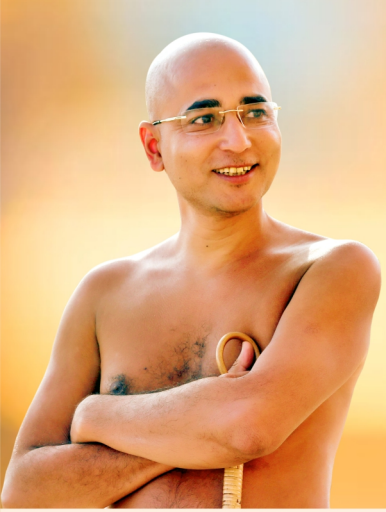

02

श्रीफल जैन न्यूज़

बच्चों मैं विनय हूं। मैं तुम्हें बताऊंगा कि देव, गुरु, शास्त्र, आर्यिका, ऐलक, क्षुल्लक, क्षुल्लिका और एक श्रावक दूसरे श्रावक का कैसे आदर- सम्मान करें। मैं भगवान, तीर्थंकर, देव, पंचपरमेष्ठी, शास्त्र और मुनियों को नमोस्तु बोल आदर (प्रणाम) करता हूं। आर्यिका माता जी को वन्दामि बोलकर आदर करता हूं। ऐलक, क्षुल्लक, क्षुल्लिका को इच्छामि बोलता हूं। ब्रह्मचारी भैया, दीदी को वंदना बोलता हूं। देवी-देवता और आपस में एक श्रावक दूसरे श्रावक को जय जिनेन्द्र बोल कर विनय करता हूं।

श्रीफल जैन न्यूज़

चावल, श्रीफल आदि से आदर करें

बच्चों, चावल, बादाम, फल, श्रीफल आदि सामग्री लेकर इन सभी का आदर करना चाहिए। मैं धर्म प्रभावना, आपस में प्रेम, वात्सल्य फैलाने का काम करता हूं। बच्चों, मैं आप की याददाश्त बढ़ाता हूं। तो बच्चों तुम भी अब ऐसा ही करना, जैसा मैं करता हूं। करोगे ना। मैं विनय हूं।

श्रीफल जैन न्यूज़

सवाल

1.

देव, शास्त्र, गुरुओं को क्या बोलकर आदर करना चाहिए?

2.

आर्यिका माताजी को क्या बोलकर आदर करना चाहिए?

3.

क्या सामग्री देकर आदर करना चाहिए?

4.

श्रावक क्या बोलकर एक-दूसरे का आदर करते हैं ?

5.

विनय करने से क्या होता है ?